शिव की आँखों का तारा गणपत | By Saral Pankaj Aggarwal

गौरी सुत गणपति लाला शिव की आँखों का तारा
तुम निराकार लम्बोदर हो विघ्न विनाशकहारा

तुम आदिदेव गजानन बल बुद्धि के हो स्वामी
देवो ने शिव चरणों में तेरे नाम की महिमा जानी
तेरा अद्भुत देख नज़ारा पूजे जग अब ये सारा
गौरी सुत गणपति लाला शिव की आँखों का तारा

है शुभ और लाभ तुम्ही से, सर्वप्रथम तुझे हैं मनाते
जहाँ ज्योत जगे हैं तेरी तुम विघ्न राज बन जाते
जब रिद्धि सिद्धि हो संग में वहां पल में कष्ट निवारा
गौरी सुत गणपति लाला शिव की आँखों का तारा

तेरे एक हाथ में अंकुश दूजे में पाश विराजे
मूषक की करे सवारी तेरा जग में डंका बाजे
हो देव दयालु गणपत अब सरल का बनो सहारा
गौरी सुत गणपति लाला शिव की आँखों का तारा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%81%e0%a4%96%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a4%aa%e0%a4%a4-by-saral-pan/